<u>दवा</u> <u>हरिशंकर परसाई</u>

(1) 'दवा' नामक व्यंग कहानी नाटक के रूप में विधातंरण करें।

(2) कवि 'अनंग' जी का अंतिम क्षण आ पहुँचा था। डॉक्टर और अनंत जी की पत्नी के बीच के वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

पत्नी : डॉक्टर, इसे क्या हुआ।
डॉक्टर : इसके हालत अच्छा नहीं।
……………………………………

(3) अनंत जी का मित्र डॉक्टर से उसके बेटे के आने तक जीवित रहने का वादा करते हैं। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मित्र : मेरे मित्र कैसे हैं?
डॉक्टर : ये घंटे-भर से अधिक नहीं जीवित रहेगा।
…………………………………………………...

(4) कवि और मित्र के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मित्र : अरे मित्र! मैं यहाँ हूँ।
कवि : मित्र, क्या हुआ मुझे?
…………………………………………………

(5) शाम की गाड़ी में बेटा पहुँचा। अपने पिताजी की हालत के बारे में बेटे और माँ के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

बेटा : पिताजी कैसी हैं?
माँ : डॉक्टर में कहा कि इनका बचना मुश्किल हैं।
……………………………………………………

(6) शाम की गाड़ी में बेटा पहुँचा तो देखा कि अनंत जी का मित्र मरे पड़े हैं। कवि और बेटे के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

बेटा : पिताजी, इसे क्या हुआ?
कवि : डॉक्टर को बुलाओ।
……………………………………

(7) मृत्यु से बचने के बाद कवि अपने उस दिन की डायरी लिखते हैं। डायरी का वह पन्ना कल्पना करके लिखें।

11-5-2015	**सोमवार**

कई दिनों से मैं आस्पताल में था। कल तो तबीयत ज़्यादा खराब हो गया। आस्पताल से भी मुझे छोटा………

****

DO NOT COPY